आमुख

इस प्रकाशन का उद्देश्य जिला महेन्द्रगढ में एक वर्ष में हुए सामाजिक एवं आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यों बारे जानकारी उपलब्ध कराना है। इसमें जिलें से सम्बन्धित विभिन्न विषयों विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, विद्युत, उद्योग, सड़क तथा परिवहन , संचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता बैंक, शिक्षा, चिकित्सा, समाज कल्याण इत्यादी के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर सूचना उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

यह प्रकाशन विभन्न विभागों, अनुसंधानों, संस्थाओं और उन संस्थाओं एवं व्यक्तियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा जिनकी जिला महेन्द्रगढ की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुड़े उन्य पहलुओं में रूची है।

मैं, जिला महेन्द्रगढ के विभिन्न कार्यालय अध्यक्षों जिन्होंने इस प्रकाशन के लिए सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया, के लिए आभारी हूँ। उनके सहयोंग के बिना इस प्रकाशन को जारी कर पाना सम्भव नहीं था तथा श्री सांख्यिकीय सहायक का इस प्रकाशन को संकलित करने, ग्राफ तैयार करने तथा रिपोर्ट को इस रूप में समय पर प्रकाशित करने के लिए आभार प्रकट करती हूँ।

तिथिः–

जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
नारनौल।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण –2013–2014 जिला महेन्द्रगढ

राजस्व रिकार्ड के अनुसार जिला महेन्द्रगढ का कुल क्षेत्रफल 1683 वर्ग किलोमिटर है। जिले की 2011 के अनुसार कुल जनसंख्या 922088 है, जो कि हरियाणा राज्य की कुल जनसंख्या का 3. 64 प्रतिशत है, जिले का घनत्व 486 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है जिले में दो उपमण्डल, दो तहसील, तीन उपतहसील, 8 विकास खण्ड कुल 370 गांव है।

जिले की जलवायु सर्दियों में अधिक ठण्डा तथा गर्मियों में अधिक गर्म व शुष्क है। राजस्थान राज्य की समीपता के कारण मई व जून माह में धूल भरी आंधियॉ चलती रहती है। यहां का तापमान माह मार्च से बढना शुरू हो जाता है व जून माह में बढकर 48.6 डीग्री तक पंहुच जाता है। यहां वर्ष कम होती है। वर्ष 2013–14 में औसत वर्षा 48.6 सेटीमीटर दर्जकी गई। यह जिला ग्राम प्रधान है। कुल जनसंख्या का 85.59 प्रतिशत लोग गांवों में रहते है। कुल जनसंख्या का 16.95 प्रतिशत अनुसूचित जातियॉ तथा कुल जनसंख्या पर साक्षरता दर प्रतिशत 77.72 है। जिसमें पुरूष 89.72 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 64.57 है।

वर्ष 2013.14 में बोया गया कुल निबल क्षेत्र 288 हजार हैक्टेयर व कुल काश्त क्षेत्र 154 हजार हैक्टेयर था। सिंचाई सुविधाओं की अनिश्चित्ता के कारण बोया गया क्षेत्र प्रति वर्ष कम या अधिक होता रहता है। जिले के फसल चक्र पर सिंचाई सुविधाओं की कमी तथा वर्षा पर निर्भरता का असर स्पष्ट झलकता है। खरीफ की फसल में यहां बाजरा, ज्वार व ग्वार आदि व रबी में गेहूं , जौ, चना तथा सरसों आदि होता है। जिले में सभी 370 गांवों में बिजली की सुविधाये उपलब्ध है तथा सभी गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा चुका है। जिले में वर्ष 2013–14 में कुल 698 सहकारी समितियां है। जिनकी कुल सदस्यता 224339 तथा 740.23 करोड़ रू0 की कार्य पूंजी, 12.21 करोड़ रू की निजी पूंजी व 21.93 करोड़ रू की शेयर पूंजी लगी हुई है। जिले में 1 हस्पताल, 7 सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ,3 डिस्पैसरी ,135 सब सैटर तथा 26 आर्युवेदिक औषधालय कार्यरत है। इसके अतिरिक्त बहुत से निजी क्लीनिक भी लोगों को चिकित्सा सुविधायें प्रदान कर रहें है।

स्थिति तथा भौतिक विशेषताऐं:–

यह जिला हरियाणा के दक्षिण में 28.06 अक्षांश तथा 76.08 डिग्री रेखांश के मध्य में स्थित है। इसके उत्तर दिशा में भिवानी, दक्षिण में राजस्थान, पूर्व में रेवाडी व पश्चिम में भिवानी जिला व राजस्थान पड़ता है।

क्षेत्रफल तथा प्रशसनिक ढॉचा:–

जिला महेन्द्रगढ का 2011 के राजस्व रिकार्ड के अनुसार कुल क्षेत्रफल 1683 वर्ग कि0मी0 है। जबकि भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार जिले का भौगोलिक क्षेत्र 1899 वर्ग कि0मी0 है। जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 3.81 प्रतिशत है। इस जिले में 2 तहसील है:– 1. नारनौल, 2. महेन्द्रगढ एवं 5

उपतहसील हैः— 1. अटेली, 2. कनीना, 3. नांगल चौधरी।

जिला महेन्द्रगढ में 370 गांव है। जिसमें 221 गांव नारनौल तहसील में एवं 149 गांव महेन्द्रगढ तहसील में है। जिलें में 8 विकास खण्ड है जो कि क्रमशः इस प्रकार से हैः— अटेली, कनीना, महेन्द्रगढ, नांगल चौधरी ,नारनौल ,सतनाली,निजामपुर तथा सीहमा है। कुल ग्राम पंचायते 344 है। जिसमें 3134 पंच व सरपंचों की संख्या 344 है। जिलें में 1 नगर परिषद तथा 4 नगरपालिकाए है एवं 4 मार्केट कमेटीयां है जो कि क्रमशः अटेली, कनीना, महेन्द्रगढ व नारनौल मे है।

भौतिक विशेषतायेंः—

यह जिला समुद्रतल से 305 मीटर ऊंचा है। अरावली पर्वत की शाखांयें सारे जिले में फैली हुई है। जिलें में कोई बारहमासी नहर नहीं है। यहां की भूमि रतीली व दोमट है। रेतीली जमीन होने के कारण मई व जून मास में धूलभरी आंधियां चलती रहती है। वर्ष कम होने की वजह से हरे चार, फूल व सुन्दर पौधों की अत्यन्त कमी है। नारनौल तहसील के अनुक गांवों में भू—जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसी तरह महेन्द्रगढ व सतनाली में है।

खनिज सम्पदाः—

जिला महेन्द्रगढ खनिज सम्पदा का धनी है। जिलें में स्लेट व भवन निमार्ण का पत्थर प्रचुर मात्रा में मिलता है। बजरी व रेती भी काफी मात्रा में मिलती है।

नदियॉः—

इस जिलें में दोहान व कृष्णावती दो बरसाती नदियॉ है। ये दोनों नदियॉ राजस्थान के पहाड़ी क्षेत्र से निकलती है। राजस्थान सरकार ने इन दोनों नदियों पर बांध बना लिए जिसके फलस्वरूप बरसात में भी अब पानी नही आता है।

जलवायु तथा वर्षाः—

जिला महेन्द्रगढ का मौसम गर्मियों में अधिक गर्म व सर्दियों में अधिक सर्द होता हैं । गर्मियों में यहां अधीकतम तापमान 48 डीग्री सैलसियस तक चला जाता है जबकि सर्दियों मे न्युनतम 3 डिग्री सेल्सियस हो जाता है। वर्ष 2011 में 593.3 मिलीमीटर वर्ष यहॉ दर्ज की गई।

मिट्टीः—

जिले की मिट्टी रेतीली व दोमट मिट्टी का मिश्रण हैं जिसमें नाईट्रोजन कम फासफोरस मध्यम है। नाईट्रोजन की मात्रा 11 से 80 किलोग्राम तथा पोटास की मात्रा 200 मिलोग्राम प्रति हैक्टेयर है।

भू– जल विज्ञानः–

जिले में भू–जल स्तर 90 फुट से 950 फुट तक है। नारनौल व नांगल चोधरी विकास खण्ड में नीचे के पानी की सतह अत्यधिक गहरी है।

भू–जल संसाधनः–

जिले में भूजल संसाधन विकास हो रहा है। लेकिन पानी की सतह अत्यधिक गहरी होने के कारण भू–जल संसाधन बहुत कम सफल हो रहे है।

जनसंख्याः–

जिला महेन्द्रगढ की जनसंख्या जनगणना 2011 के अनुसार 922088 है। जिसमें 486665 पुरूष व 435423 स्त्रियां है। 2001 में यह 812521 जिसमें 423578 पुरूश व 388943 स्त्रियां थी 2001. 2011 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 13.48 दशकीय वृद्धि हुई है, जबकि 1991.2001 में दशकीय वृद्धि दर 19.16 प्रतिशत थी। 2011 की जनगणना में महेन्द्रगढ जिले का राज्य के जिलों मे आबादी के हिसाब से 16 वां स्थान है।

घनत्वः–

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिये गये भौगोलिक क्षेत्र के आंकड़ों के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 1859 वर्ग किलोमीटर है,यह राज्य के क्षेत्रफल का 4.30 प्रतिशत है। जनगणना 2011 के अनुसार राज्य की 3.64 जनसंख्या यहां रहती है। 2011 की जनगणना के आधार पर जिले का घनतव 486 व्यक्ति है, जबकि 2001 की जनगणना के आधार पर यह 428 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था। हरियाणा राज्य का घनत्व 2001 में 478 व्यक्ति तथा 2011 में 573 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया है।

ग्रामीण व शहरी जनसंख्याः–

जनगणना 2011 के आंकेड़ों के आधार पर जिला की लगभग 85.57 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात 789233 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 416358 पुरूष तथा 372875 स्त्रियां है। शहरी जनसंख्या 132855 जिसमें 70307 पुरूष तथा 62548 स्त्रियां है। है जोकि कुल जनसंख्या का 14.43 प्रतिशत हैा

ग्रामीण क्षेत्र में तहसील महेन्द्रगढ की 362264 जनसंख्या में पुरूष तथा 152367 स्त्रियां है। शहरी क्षेत्र में नगर नारनौल की 74581 जनसंख्यां है। महेन्द्रगढ शहर कीं कुल जनसंख्या 29128 है। अटेली की जनसंख्या 7619 है। कनीना की जनसंख्या 12989 है। इसी प्रकार जनगणना का नगर नांगल चौधरी की 8538 कुल जनसंख्या है।

मलीन बस्तियों की जनसंख्याः–

इस जिले मे नारनौल नगर की 11279 जनसंख्या बस्तियों में रहती है। जोकि 18.17 प्रतिशत है। इसमें 6058 पुरूष व 5221 स्त्रियां है। 0–06 वर्ग में 1780 बच्चों में 982 पुरूष व 798 स्त्रियों है।

लिंगानुपातः–

जिला महेन्द्रगढ जनगणना 2011 के अनुसार प्रति हजार पुरूषों पर 895 महिलाओं का अनुपात हैं जो कि 2001 में 918 थीं। हरियाणा राज्य का यह अनुपात 861 प्रति हजार है जोकि सभी राज्यों में सबसे कम स्तर पर पहुच गया हैं

जिला महेन्द्रगढ में ग्रामीण एंव नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमशः– 924 व 883 है जो कि 1991 की जनगणना के अनुसार क्रमशः 911 व 901 था। ग्रमीण क्षेत्र में स्त्री पुरूष अनुपात तहसील महेन्द्रगढ में 919 व नारनौल में 928 तथा शहरी क्षेत्र नारनौल में 878 व महेन्द्रगढ में 892 अटेली में 859 तथा कनीना में 924 है।

0–6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपातः–

जिला का 0–6 आयु वर्ग के बच्चों का लिंगानुपात 818 है। ग्रामीण क्षेत्र में 821 तथा शहरी क्षेत्र में 795 है। ग्रामीण क्षेत्र में दो तहसीलों महेन्द्रगढ तथा नारनौल में 825 व 818 है। राज्य में यह 819 है। नगरीय क्षेत्र में 826 व 781 है।

मलिन बस्तियों लिंगानुपातः–

जिला महेन्द्रगढ के नारनौल शहर की 18.17 प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती हैं यहां स्त्रियों व पुरूष का अनुपात 862 है। 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या में स्त्री पुरूष में अनुपात 798 हैं

साक्षरताः–

जनगणना 2011 में जिले में 630255 व्यक्ति साक्षर है। जिसमें 380440 पुरूष व 249815 स्त्रियां हैं जिले की साक्षर दर 68.35 प्रतिशत है। इस जिले में पुरूष साक्षर दर 79.68 एवं स्त्री साक्षर

दर 58.04 की तुलना में अधिक रही। जबकि जनगणना 2001 के अनुसार जिले में 69.89 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे। जिसमें पुरूष साक्षरता दर 84.72 प्रतिशत व स्त्री साक्षरता दर 54.08 प्रतिशत थी। जनगणना 2001 में राज्य साक्षरता दर 67.91 प्रतिशत है।पुरूष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः– 78.49 व 55.73 प्रतिशत है।

ग्रामीण व शहरी साक्षरताः–

जनगणना 2011 के अनुसार जिले में 69.46 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिसमे 79.68 प्रतिशत पुरूष व 58.04 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है। जबकि 2001 की जनगणनानुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः– 44.71 तथा 59.16 प्रतिशत थी।

ग्रामीण साक्षरता में कुल साक्षर 533442 है जिसमे पुरूष 324741 व 208701 स्त्रियां साक्षर है। । शहरी साक्षरता कुल साक्षर 96813 है जिसमे पुरूष 55699 व 41114 स्त्रियां साक्षरे है । अनुसूचित जाति मे कुल साक्षर 99588 है जिसमे पुरूष 61012 व 38576 स्त्रियां साक्षर है । ग्रामीण साक्षरता में अनुसूचित जाति मे कुल साक्षर 86861 है जिसमे पुरूष 53505 व 33358 स्त्रियां साक्षर है । शहरी साक्षरता में अनुसूचित जाति मे कुल साक्षर 12727 है जिसमे पुरूष 7509 व 5218 स्त्रियां साक्षर है

मलिन बस्तियों में साक्षरताः–

इस जिले के नारनौल शहर में मलिन बस्तियों की कुल जनसंख्या 11297 में से 6852 व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 2456 पुरूष व 2496 स्त्रियां है। इन बस्तियों में साक्षरता दर 72.13 प्रतिशत है जिनमें 83.84 प्रतिशत पुरूष तथा 58.69 प्रतिशत स्त्री साक्षर है।

वन

वनों के अधीन क्षेत्रः–

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2013–14 **(p)** में 57वर्ग कि0मी0 क्षेत्र वनों के अधीन था जो कुल क्षेत्रफल का 2.47 है प्रतिशत है। इस समय जिले में 17 वर्ग किलोमीटर आरक्षित राज्य वन क्षेत्र तथा 24 वर्ग कि0मी0 सरंक्षित और 5 वर्ग कि0मी0 भारतीय वन अधिनियम के अनुसार बन्द किया गया क्षेत्र है।

कृषि

भूमि का प्रयोगः–

राजस्व रिकार्ड के अनुसार जिले का कुल 2010.11 में भौगोलिक क्षेत्रफल 194 हजार हैक्टेयर है इसका 1421 हैक्टेयर गोचर भूमि है तथा 21000 हैक्टेयर गैर कृषि कार्यों में प्रयोग होता हैं।

वर्ष 2011.12 में जिला महेन्द्रगढ में कुल कृषि योग्य भूमि 155 हजार हैक्टयेर है जबकि निर्बिल बोया गया क्षेत्र 149 हजार हैक्टेयर जो कि कृषि योग्य भूमि का लगभग 96.03 प्रतिशत है एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र 139 हजार हैक्टेयर है। जो कि निबल बोया गया क्षेत्र का 87.78 प्रतिशत है। वर्ष 2010.11 में जिला महेन्द्रगढ में कुल बोया गया क्षेत्र 288000 हैक्टेयर रहा।

कृषि जोतेः–

कृषि गणना 2010–11 के अनुसार जिला महेन्द्रगढ में कुल 84238 कृषि जोते कार्यरत थी। इन 74376 जोते में से 60630 जोते 2 हैक्टयेर से कम, 16711 जोते 2 से 5 हैक्टेयर से कम, 5170 जोते 5 से 10 हैक्टेयर से कम, 1431 जोते 10 से 20 हैक्टेयर से कम एवं 296 जोते 20 हैं से तथा इससे उपर की थी।

जिला महेन्द्रगढ की रबी की मुख्य फसलें गेहूँ, जौ, चना तथा सरसों है। वर्ष 2013–14 में कुल बोये गये क्षेत्र में से 46000 हैक्टेयर गेहूं अधीन क्षेत्र , 0.7 हैक्टेयर जौ के अधिन क्षेत्र, 13000 हैक्टेयर चना अधीन क्षेत्र व सरसों के अधीन क्षेत्र 88000 हैक्टेयर क्षेत्र था। खरीफ की मुख्य फसलों में बाजरा तथा ग्वार है। वर्ष 2011.12 में बाजरा अधीन क्षेत्र 90000 हैक्टेयर है ।

मुख्य फसलों का उत्पादनः–

इस जिलें में फसलों के उत्पादन में प्राकृतिक साधनों का योगदान कम रहा है। जिले की मुख्य फसलें गेहूं और बाजरा है। 2013–14 में गेहूं का उत्पादन 233000 टन , सरसों का 153000 टन तथा चने का 15000 टन तथा बाजरे का 221000 टन था। गेहूं, बाजरा, सरसों तथा चने की औसत उपज क्रमशः 5080 , 2453 , 1742 व 1172 किलाग्राम प्रति हैक्टेयर रही।

रसायनिक खाद का वितरणः—

वर्ष 2013—14 में कुल खाद का वितरण 32649 टन रहा। उपयोग में नाईट्रोजन 24850 टन तथा फास्फेटिक 7233 टन व पोटास 566 टन रहा।

पौधों की सुरक्षा के उपायः—

वर्ष 2013—14 में गेहूं व अन्य फसलों पर 51 टन किटनाशक दवाओं का प्रयोग किया गया।

कृषि यन्त्र तथा उपकरणः—

2007 की गणनानुसार जिले में कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में हल 4937, ,छकड़े 4224, सभी प्रकार के ट्रेक्टर 4122 नलकूप 20593, करबाईन हारवेस्टर 559 थे। वर्ष 2010.11 में 5650 चार पहियों वाले ट्रेक्टर कृषि कार्य के लिए प्रयोग में लाये जाते रहे।

वर्ष 2013—14 में महेन्द्रगढ जिले में कृषि उपज पूर्ति के लिए 4 मार्केट कमेटियों तथा 8 सब यार्डस द्वारा बिक्रि एवं खरीद की गई। जिसमें मुख्य गेहूं, बाजरा, सरसों आदि फसल रही। जौ 100 टन, आलू 700 टन, अन्य सामग्री 700 टन, गुड व शक्कर 600 टन, तेल बीज 1400 टन, कपास 700 टन, सब्जी व फ्रूट 24100 टन, मिर्च 500 टन

वर्ष 2013—14 के दौरान इन सभी मण्डियों में गेहूं की कृषि उत्पादन आमद 18100 टन बाजरा की, 4500 टन रही। इन मण्डियों में किसान के रात ठहरने के लिए किसान विश्राम गृह हैं तथा इसके लिए अतिरिक्त पीने का पानी, पशुशाला इत्यादि की सूविधायें भी प्रदान की जाती है।

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2013—14 में सरकारी गोदामों की क्षमता 80000 टन थी।

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रमः—

जिले में ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के अभिशाप को समाप्त करने के लिए भरसक प्रयास रहे हैं यह गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तविक वृद्धि लाने में सफल रहे है। वर्ष 2013—14 में एस0जी0एस0वाई0 के तहत 320 गरीब परिवारों को 76.41 लाख रू0 के ऋण वितरित किये गये इनमें 214 परिवार अनुसूचित जाति के थें जिनको 49.95 लाख रू0 के ऋण वितरित किये गये ।

सिचांई से साधनः—

वर्ष 2011.12 **(p)** में निबिल सिंचित क्षेत्र 152 हजार हैक्टेयर था जो बोये गये निबिल क्षेत्र का 53.3 प्रतिशत था। क्षेत्रानुसार सिंचाई क्षेत्र में 99 प्रतिशतों नलकूपों व 1. प्रतिशत नहरों द्वारा योगदान

रहा। नलकूपों द्वारा 22 हजार हैक्टेयर एवं नहरों द्वारा 39 हजार हैक्टेयर भूमि की सिंचाई की गई।

वर्ष 2013–14 में कुल सिंचित क्षेत्र 152 हजार हैक्टेयर था । कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोये गये क्षेत्र का 53.3 प्रतिशत था तथा निबिल सिंचित क्षेत्र निर्बिल बोये गये क्षेत्र का 40.1 प्रतिशत रहा।

फसलानुसार सिंचित क्षैत्रः–

वर्ष 2013–14 **(p)** में फसलानुसार कुल सिंचित क्षेत्र 152 हजार हैक्टेयर था। फसलानुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही गेहूं के अधीन 42 हजार हैक्टेयर , जौ 1 हजार हैक्टेयर , चना 1 हजार हैक्टेयर बाजरा 14 हजार हैक्टेयर अन्य खाद्य फसलें ...., कपास 1 हजार हैक्टेयर व अन्य खाद्य फसलें तेल बीजो सहित 96 हजार हैक्टेयर रहा।

सिंचाई की सघनताः–

वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में कुल सिंचित क्षेत्र 152 हजार हैक्टेयर तथा निबिल सिंचित क्षेत्र 61 हजार हैक्टेयर था जिसके अनुसार सिंचाई की सघनता 100 प्रतिशत रही।

नलकूप/पैम्पिंग सैटः–

वर्ष 2013–14 **(p)** में कुल नलकूपों /पैम्पिंग सैटों की संख्या 30442 रही। जिनमे से 133 डीजल सैट तथा 30309 बिजली के सैट थे ।

बाढः–

वर्षा कम होने के कारण इस जिले में बाढ कम आती है। जिला अधिकतर सूखा रहता है।

पशुपालन तथा डेरीः–

पशुगणना 2007 के अनुसार जिला महेन्द्रगढ में पशुधन की संख्या 390613 तथा 395019 ककुकुट संख्या थी। कुल पशुधन में से 31554 गाय व बैल, 226398 भैंसे , 43511 भेड़ ,78716 बकरी ,509 घोड़े तथा 70 खच्चर , 5487 ऊंट, 755 सुअर व 3104 कुते तथा 127 गधे थे।

जिला महेन्द्रगढ में प्रति हजार मनुष्यों के पिछे पशु संख्या इस प्रकार है । 37 गाय 279 भैंसे , , भेड़े 54, बकरियां 97, कुकटादि 579, व ऊंट 7 थे।

वर्ष 2013–14 में जिला में 51 पशु चिकित्सालय, 0 कृत्रिम गर्भदान केन्द्र, 59 पशु चिकित्सा डिस्पेन्सरी, 0 स्टाक मैन केन्द्र, 0 भेड़ ऊन विस्तार केन्द्र पशु चिकित्सा प्रदान करने के लिए कार्यरत रहे।

2013–14 में पशु पर पशु चिकित्सक, 89 **V.L.D.A** rFkk 7 Mªlj l] 2001 pijklh dk;jr Fk A

वर्ष 2013–14 में सभी संस्थाओं द्वारा 271 हजार पशुओं का इलाज किया गया। इस वर्ष के दौरान 29000 गाय एवं 95000 भैंसों का कृत्रिम गर्भदान किया गया। जिला में 17 विकसित गौशाला है।

डेरी दुग्ध उत्पादनः–

दुग्ध उत्पादन कृषकों की अतिरिक्त आय का साधन है। 2007 की पशुगणना के अनुसार जिले मे कुल पशुधन 389000 में से 256300 दुधारू पशु थे।

जिला महेन्द्रगढ में से एक दुग्ध सयत्र केन्द्र लगा हुआ हैं जिसकी क्षमता 1 लाख लीटर दूद्य प्रतिदिन की है I 5 दूद्य सग्रह केन्द्र है जिनकी क्षमता 0.80 लाख लीटर दूद्य प्रतिदिन की है I

मछली पालनः–

वर्ष 2013–14 में मछली पालन से 193000 रू0 की प्राप्ति हुई एवं मछली पालन के लिए 386 हैक्टेयर भूमि का प्रयोग में लाया गया 2012–13 में 2302 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपणन किया गया तथा 70 लाइसेस प्रदान किए।

विद्युतः–

जिले में सभी गावों तथा शहरों का विद्युतीकरण हो चुका है।

नलकूपः–

वर्ष 2012–13 में जिला महेन्द्रगढ में विद्युतीकरण नलकूपों की संख्या 30962 थी जिसमें 29572 कृषि तथा सीवरेज के1346 तथा 44 जलपूर्ति थे।

विभिन्न परियोजना में विद्युत का प्रयोगः–

वर्ष 2013–14 में 8211 सकॅट कि0मी0 एल0टी0 लाईनें ,11 किलावाट लाईने 5825 सकॅट कि0मी0 तथा 17971 ट्रांसफार्मर थे। इस प्रकार जिले में सयोंजनों की संख्या 172365 हो गईं। कुल संयोजनों में 125380 घरेलू , 13888 ,वाणिजय , 1311 उद्योग , 30249 कृषि, 17 सार्वॅजनिक प्रकाश ,13 भारी मात्रा एवं शेष अन्य उपयोगों के लिए 1507 थे।

जिला महेन्द्रगढ में बिजली का उत्पादन नहीं होता वर्ष 2013–14 के दौरान 3748.84 लाख किलोवाट बिजली की खपत हुई जिसमें 551.08 लाख किलोवाट घरेलू 182.95 लाख किलोवाट वाणिज्य

की 336.99 औद्योगिक 12.85 सार्वजनिक प्रकाश 189.11 सार्वजनिक जल आपूर्ति 2279.44 कृषि अन्य इत्यादि में तथा 196.42 भारी मात्रा में उपयोग करने वाले समायोजनाओं द्वारा खपत की गई।

खनिज पदार्थ तथा उद्योगः–

खनिज के क्षेत्र में यह जिला धनी है। इस जिले में स्लेट का पत्थर नारनौल तहसील के बिहाली गांव की पहाड़ियों में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यहां का पत्थर विदेशों में भी निर्यात किया जाता है। भवन निर्माण का पत्थर जिलें में प्रचूर मात्रा में पाया जाता है। बजरी तथा रेती काफी मात्रा में यहां उपलब्ध होती है।

लघु उद्योग यूनिटः–

वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में 60 फैक्ट्रियां कार्यरत थी।

वर्ष 2013–14 तक जिले में कुल 60 रजिस्टर्ड फैक्ट्रियों में से 41 फैक्ट्रियां 2एम(।) तथा 19 फैक्ट्रियां धारा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी जिसमें अनुमानित 4250 कार्यकर्ता कार्य कर रहें थे। जो राज्य के कुल फैक्ट्रियों के कार्यकर्ताओं का 0.62 प्रतिशत है।

सड़क तथा परिवहन

सड़कों की लम्बाईः–

लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़के) द्वारा सारा वर्ष सड़कों की देख रेख की जाती है। वर्ष 2010.11 में जिला महेन्द्रगढ में 1032 कि0मी0 पक्की 10 कि0मी0 कच्ची सड़क थी। वर्ष 2010. 11 के दौरान जिले के सभी गांव सड़कों से जुड़े है।

रेलवे स्टेशन एवं परिवहन बस स्टेन्डो की संख्याः–

वर्ष 2013–14 में इस जिले के प्रायः सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हुए है। इस जिले में हरियाणा परिवहन, नारनौल द्वारा निर्मित 4 बस स्टैण्ड 22 बस क्यू सेलटर सेवायें प्रदान कर रहे थे। महेन्द्रगढ जिलें में 12 रेलवे स्टेशन है एवं 100 कि0मी0 रेलवे लाईन की लम्बाई है।

जिला महेन्द्रगढ में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो है। जिसमें बसे जिले के अन्दर व राज्य व अर्न्तराज्य रूटों पर चलाई जा रही है। इन बसों से वर्ष 2013–14 में 140.74 लाख किलोमीटर दूरी तय की गई है। जिससे 3510.86 लाख रू0 की आय हुई। इन बसों में प्रतिदिन 38658 यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

सड़क दुर्घटनायेंः–

वर्ष 2013–14 में इस जिले में 11 दुर्घटनायें घटी ।

डाकघर व तारघरः–

वर्ष 2013–14 में जिले में 117 डाकघर तथा तारघर कार्य कर रहें थे। प्रति लाख व्यक्ति के पिदे 13 डाकघर कार्य कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिए 490 लेटर बाक्स की सेवायें प्रदान की गई।

दूरभाष केन्द्रः–

वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में 340 सार्वजनिक दूरभाष कार्य कर रहें थे।

श्रम तथा रोजगारः–

औद्योगिक झगड़ेः–

वर्ष 2013–14 के दौरान जिला महेन्द्रगढ में कोई भी औद्योगिक झगड़ा रिपोर्ट नही किया गयो। जिसमें सभी झगड़े का निपटान किया गया। वर्ष के दोरान औद्योगिक संगठन में किसी प्रकार की ताला बन्दी हड़ताल नहीं हुई जिले में वर्ष 2013 में श्रमिक संघ अधिनियम 1926 के अधिन रजिस्टर्ड संघों की संख्या 10 है।

रोजगार केन्द्रः–

जिला महेन्द्रगढ में 2010.11 **(p)** में 14679 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे जिसमें से 13052 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र एवं 1627 व्यक्ति निजी क्षेत्र में लगे हुए थे।

जिला महेन्द्रगढ में 2 रोजगार कार्यालय एवं एक व्यवसायिक मार्ग दर्शन हेतू सूचना केन्द्र है। इन रोजगार कार्यालय में वर्ष 2013–14 में 4295 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेतू पंजीकरण करवाया गया जिसके कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों संख्या 65250 हो गई है। इन रोजगार केन्द्रों से 17 व्यक्तियों का रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2013–14 के दौरान कुल 5917 दुकानों में 2020 कर्मचारी कार्यरत थे, 651 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 1055 कर्मचारी एवं 92 होटल तथा जलपान गृहों में 266 कर्मचारी कार्यरत रहें।

मजदूरी की औसत दैनिक आय :–

वर्ष 2013 में जिला महेन्द्रगढ में कुशल श्रमिक जैसे बढई, लौहार, आदि की दैनिक मजदूरी जिसमें से 5174 में दुकानो में 699 कर्मचारी 350 रू0, दैनिक हल चलाने वाला 400 रू0 गुड़ाई के लिए 400 रू0 एवं अन्य कृषि कार्य करने वाले की दैनिक मजदूरी 350 रूपये थी।

सहकारिता :–

वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में 698 सहकारी समितियां थी जिसमें सदस्यों की सख्या 224339 थी। वर्ष के दौरान इन सहकारी समितियों में 21.93 करोड़ रू0 हिस्सा पूंजी , 89.39 करोड़ रू0 अन्य निजी पूंजी थी जबकि कार्यपूंजी 740.23 करोड रू0 की राशि थी ा इस प्रकार प्रतिव्यक्ति औसत कार्यपूंजी 8027 रू0 थी।

जिले में प्रतिलाख व्यक्तियों पर समितियों की संख्या 76 थी जबकि प्रति हजार संख्या पर सब प्रकार की समितियां की संख्या 243 थी।

इन सभी 698 सहकारी समितियों एवं बैंकों में से 1 केन्द्रीय सहाकारी बैंक , 1 केन्द्रीय भूमि विकास बैंक 23 कृषि ऋण बैक , 25 गैर कृषि ऋण बैंक , 1 विपणन 352 दुग्ध पूर्ति , 12 आवास समीतियां 258 अन्य प्रकार की समीतियां की एवं 22 बुनकर समितियॉ थी।

जिले में वर्ष 2013–14 में 1 केन्द्रीय सहकारी बैंक है जिसकी हिस्सा हिस्सा पूंजी 244 लाख रूपये थी तथा अन्यो की पूंजी 898 लाख रूपये थी ा जिसकी कार्य पूंजी 33691 लाख रू0 रही ा वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा दिया गया कर्ज 24519 लाख रू0। वर्ष के दौरान इस बैंक मे 16403 लाख रूपये जमा किए गए तथा 12556 लाख रू0 उधार राशि थी ा वर्ष के अत मे 25278 लाख रूपय लोन के बाकी थे ा 10398 रू0 **over dues ds Fksk**

वर्ष 2013–14 में जिला में 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक हे। जिसमें हिस्सा पूंजी 121.94 अन्यो की ूपजी 876.53 लाख रूपये थी बैको की निजि पूंजी 1160.52 लाख रू0 जबकि कार्य पूंजी 28983.34 लाख रू0 थी। वर्ष के दौरान इन बैंकों द्वारा 16.50 लाख रू0 भूमि सुधार हेतू दिया गया तथा 12 लाख रू0 भूमि के खरीदने हेतू दिया गया ा

शिक्षा

विद्यालय तथा महाविद्यालयः–

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2012–13 के दौरान 535 प्राथमिक, 186 माध्यमिक, 341 उच्च तथा

वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहें थे। इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 1596, 2002, 4205 अर्थात कुल 7803 अध्यापक कार्यरत थे।

वर्ष 2013–14 में उच्च व वरिष्ट माध्यमिक विद्यालयों मे कुल 62532 विद्यार्थियों ने शिक्षा प्राप्त की । इसमें 34237 लडके तथा 28295 लडकिया थी । प्राथमिक विद्यालयों मे 84447 विद्यार्थी थे जिसमे से 46564 लडके तथा 37883 लडकिया थी । माध्यमिक विद्यालयो मे कुल 49715 विद्यार्थी थे जिसमे से 27021 लडके तथा 22694 लडकिया थी । इस तरह से जिले मे वर्ष 2011–12 में कुल 196693 विद्यार्थी थे जिसमे से 107822 लडके तथा 88872 लडकिया थी ।

वर्ष 2013–14 में अनुसूचित जाति के कुल 40514 विद्यार्थी थे जिसमे से 21201 लडके तथा 19313 लडकिया थी । प्राथमिक विद्यालयों मे 17217 विद्यार्थी थे जिसमे से 9058 लडके तथा 8159 लडकिया थी । माध्यमिक विद्यालयो मे कुल 11172 विद्यार्थी थे जिसमे से 5802 लडके तथा 5370 लडकिया थी । उच्च व वरिष्ट माध्यमिक विद्यालयों मे कुल 12125 विद्यार्थी थे जिसमे से 6341 लडके तथा 5784 लडकिया थी

इस जिले 2012–13 में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात 53 प्राथमिक , 25 माध्यमिक तथा 38 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यलायों का 45 था। इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा के लिए समकेतिक बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत नारनौल, महेन्द्रगढ, अटेली, कनीना व नांगल चौधरी विकास खण्ड में 2013–14 में 1201 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यरत थे।

वर्ष 2013–14 में महेन्द्रगढ जिला में 64 सामान्य व 2 स्त्रियों के लिए अर्थात 66 महाविद्यालय कार्यरत थे। जिसमें कुल विद्यार्थियों की संख्या 14105 थी जिसमे से 6881 लडके तथा 7224 लडकिया थी ।

जिसमें से अनुसूचित जाति के 2381 थे जिसमे से 1658 लडके तथा 723 लडकिया थे।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमः–

व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिले में एक बहुतकनिकी महाविद्यालय है। जिसमें 2410 विधार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिसमें 1150 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के थे।

चिकित्साः–

वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में राज्य सरकार तथा प्राईवेट संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार की ऐलोपेथी संस्थओं जिनमें 135 राज्य सरकार की संस्थाओं द्वारा द्वारा चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की गई। वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में ग्रामीण क्षेत्र में 0 अस्पताल 20 प्राथमिक

स्वास्थ्य केन्द्र , 2 सामूदायिक विकास केन्द्र , 0 डिसपेन्सरी तथा 103 उपकेन्द्र है तथा शहरी क्षेत्र में 1 अस्पताल , 3 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र , 3 डिसपेन्सरी ,3 सामूदायिक विकास केन्द्र कार्यरत थें। इसके अतिरिक्त जिले में 26 आर्युवेदिक डिस्पेन्सरी भी चिकित्सा सुविधायें प्रदान कर रहीं है। जिले में विशेष चिकित्स के लिए 1 क्षय रोग केन्द्र भी हैं

वर्ष 2013–14 में सरकार संस्थाओं द्वारा 536636 रोगियों को चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की गई। इनमें 322 बिस्तर उपलब्ध थे प्रत्येक 1 लाख आबादी के लिए 34 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे।

वर्ष 2014 में जिले में कुल जन्मों की संख्या 16874 कि जिनमें 9536 पुरूष व 7338 स्त्रिया थी इसमें 5586 ग्रामीण 11288 शहरी क्षेत्र में जन्म हुए। वर्ष 2012 में मौतों की संख्या 5572 रही जिसमें 4533 ग्रामीण तथा 1039 शहरी क्षेत्र के लोग थे।

परिवार कल्याण कार्यक्रमः–

वर्ष 2013–14 में जिला महेन्द्रगढ में 7 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यारत थे इनमें नसबन्दी के कुल 3188 केसिज किये गये थे। जिसमें पुरूषों क161 तथा महिलाओ 3027 थी।

सुरक्षित पेज जलः–

वर्ष 2013–14 तक जिले के सभी 370 गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था की जा चुकी है।

कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व पिछड़े वर्गः–

कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम जैसे मकान बनाने के लिए ऋण, उच्च कक्षाओं में प्रतियोगी तैयारी हेतू वितिय सहायता, विद्यार्थियों को छात्रवृति पुस्तकें एवं लेखन सामग्री खरीदने हेतू बिना ब्याज के ऋण तथा मुफ्त वर्दियों का बांटना सारा वर्ष प्रगति पर रहा।

वर्ष 2012–13 में मकान अनुदान योजना अनुसूचित/ विमुक्त जाति के अनतर्गत 971 परिवारों को 436.240 लाख रू0 का अनुदान दिया गया। इस स्कीम में उन व्यक्तियों को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो उन्हें 81000 रू0 का अनुदान दिया जाता है।

विद्यार्थी कर्जा योजना के अर्न्तगत अनुसूचित जाति के मैट्रिक स्तर के विद्यार्थी को पाठ्यक्रम तथा लेखन सामग्री खरीदने के लिए 800 रू0 प्रति विद्यार्थी स्नातकोत्तर को 1500 रू0 तथा व्यवसायिक कोर्स हेतू 2000 रू0 का राशि प्रतिवर्ष ब्याज रहित ऋण दिया जाता है।

वृद्धावस्था एवं पेन्शनः–

विविध

नगरपालिकायें:–

वर्ष 2013–14 के दौरान जिले में स्थित कनीना नगरपालिका से 20411 लाख रू0 की आय एंव 33954 लाख रू0 व्यय ,नारनौल नगरपालिका से 221796 लाख रू0 की आय एंव 107071 लाख रू0 व्यय , महेन्द्रगढ नगरपालिका से 107105 लाख रू0 की आय एव 96774 लाख रू0 व्यय तथा अटेली नगरपालिका से 40119 लाख रू0 की आय एव 39946 लाख रू0 व्यय किये गये ।

जिला राजस्व:–

जिला राजस्व में वर्ष 2013–14 में निम्न साधनों द्वारा राजस्व की प्राप्ति की गई। हरियाणा सामान्य कर अधिनियम 2003 के अन्तर्गत बिक्रि कर से 3303.1500 रू0 तथा केन्द्रीय बिक्री अधिनियम 1956 के अन्तर्गत 92.16000 रू0 मनोरंजन कर से 17.34000 रू0 की आय प्राप्त हुई।

रजिस्ट्रीकरण:–

जिला महेन्द्रगढ में वर्ष 2011–12 **(p)** में रजिस्ट्री कार्यालयों की संख्या 5 थी जिनमें अनिवार्य तथा ऐच्छिक अचल सम्पत्ति की रजिस्ट्री संख्या 25969 थी एवं 1761 चल सम्पति के अन्तर्गत सम्पति का कुल मूल्य 11823893000 था एवं कुल प्राप्तियां 42401000 रू0 थी।

पुलिस तथा अपराध:–

इस जिले में वर्ष 2013–14 में 8 पुलिस स्टेशन 11 पुलिस चौकीयां कार्यरत थी जिले में वर्ष के दौरान कुल 1960 अपराध हुए जिनमें से 46 हत्या, केस सेंधमारी के व 10 डैकती के , 358 साद्यारण चोरी के ,95 पशु चोरी के, 21 लूट , 57 हरण ,182 दगा , हत्या तथा 1191 केस विविध अपराधों से सम्बन्धित थें।

हरियाणा सरकार के कर्मचारी:–

जिला महेन्द्रगढ में 31 मार्च 2013 को हरियाणा सरकार के अधीन कर्मचारी कार्यरत थे ।

मनोरंजन एवं ऐतिहासिक स्थल:–

जिला महेन्द्रगढ में कई स्थल देखने योग्य है जैसे:– बीरबल का छत्ता, जलमहल, चोर गुम्बद, शाहकुली का मकबरा, पीरआगा का मकबरा आदि एवं मनोरंजन हेतू पांच सिनेमाघर है।

जिला योजनाः–

जिला महेनद्रगढ में वर्ष 2013–14 के दौरान लाख रू0 की राशी विभिन्न विकास कार्यों के लिए जारी की गई।

खेल–कूदः–

खेल विभाग द्वारा सुभाष स्टेडियम नारनौल में समय–समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगितओं का आयोजन किया जाता है। खेल विभाग हरियाणा व प्रशासन के सहयोग से 10 एकड़, भूमि नेताजी सुभाष स्टेडियम का निर्माण किया गया। इसमें एथलेटिक्स का 400 मी0 तैराक, फुटबाल, बालीबाल, कब्बडी तथा खो–खो आदि खेलों के मैदानो की सुविधायें है। जहां प्रशिक्षक प्रतिदिन सुबह शाम बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देते है।

चुनाव व मतदाताः–

वर्ष 2014 में जिला महेन्द्रगढ मे 6,05,975 मतदाता थे जिसमे से 4,66,410 ने वोट डाले जोकि चारो विधान सभा क्षेत्रों में विभाजित थे। महेन्द्रगढ लोक सभा सीट के अर्न्तगत 9 विधानसभा क्षेत्र आते है।

BLOCK WISE No OF VILLAGES IN DISTRICT Mahendergarh CENSUS 200

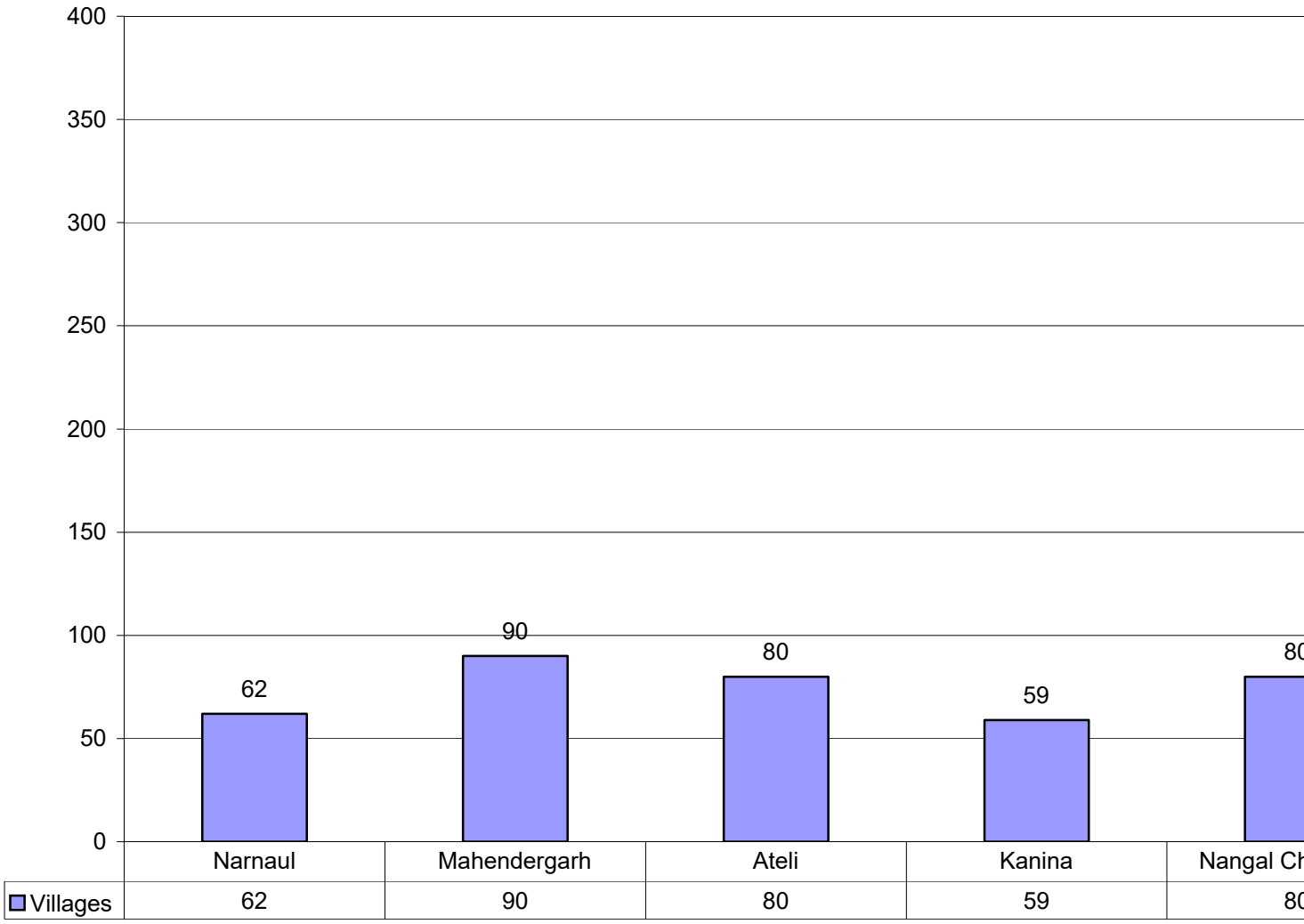

	Narnaul	Mahendergarh	Ateli	Kanina	Nangal Ch
Villages	62	90	80	59	80